अध्याय

12

मियाँ नसीरुद्दीन

© NCERT not to be republished

कृष्णा सोबती

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

कृष्णा सोबती

जन्म– सन् 1925 ई. में

जन्म-स्थान– गुजरात (पश्चिमी पंजाब – वर्तमान में पाकिस्तान) में।

मुख्य रचनाएँ:–

उपन्यास– ज़िंदगीनामा, दिलोदानिश, ऐ लड़की, समय सरगम

कहानी-संग्रह– डार से बिछड़ी, मित्रो मरजानी, बादलों के घेरे, सूरजमुखी अंधेरे के।

शब्दचित्र संस्मरण– हम हशमत, शब्दों के आलोक में।

जीवन परिचय

प्रमुख सम्मान– साहित्य अकादमी सम्मान, हिंदी अकादमी का शलाका सम्मान, साहित्य अकादमी की महत्तर सदस्यता सहित अनेक राष्ट्रीय पुरस्कार।

'जिंदगीनामा' नामक उपन्यास भारत पाकिस्तान पर आधारित है।

मियाँ नसीरुद्दीन

'मियाँ नसीरुद्दीन' कृष्णा सोबती द्वारा रचित एक शब्दचित्र है, जो 'हम हशमत' नामक संग्रह से लिया गया है।

इस पाठ में खानदानी नानबाई मियाँ नसीरुद्दीन के व्यक्तित्व, रुचियों और उसके स्वभाव का शब्दचित्र खींचा गया है।

मियाँ नसीरुद्दीन अपने रोटी पकाने की कला और उसमें खानदानी महारत को बड़े ही मसीहाई अंदाज में बताया है।

पाठ-परिचय

मियाँ नसीरुद्दीन दो तरह की शिक्षा बताते हैं– एक स्कूल में दी जाने वाली शिक्षा और दूसरी व्यावहारिक रूप से करके सीखने की शिक्षा।

मियाँ नसीरुद्दीन अपने पेशे को कला का दर्जा देते हैं और करके सीखने को असली हुनर मानते हैं।

© JCERT not to be republished

पाठ का सार

'मियाँ नसीरुद्दीन' लेखिका कृष्णा सोबती द्वारा रचित एक शब्दचित्र है, जो 'हम हशमत' नामक संग्रह से लिया गया है। इसमें खानदानी नानबाई मियाँ नसीरुद्दीन के व्यक्तित्व, रूचियों और स्वभाव का

शब्द चित्र खींचा गया है । इसमें मियाँ नसीरूद्दीन अपनी मसीहाई अंदाज में रोटी पकाने की कला और और उसमें खानदानी महारत को बताते हैं। वे अपने पेशे को कला का दर्जा देते हैं और करके सीखने को असली हुनर मानते हैं।

एक दिन दोपहर के समय जब लेखिका घूमते-घूमते अचानक जामा मस्जिद के निकट गढ़ैया मुहल्ले की एक अँधेरी दुकान के पास आती हैं तो पता चलता है कि वो खानदानी नानबाई मियाँ नसीरूद्दीन की दुकान है। उन्हें यह भी पता चला कि मियाँ नसीरूद्दीन छप्पन किस्म की रोटियाँ बनाने के लिए मशहूर है। लेखिका के प्रश्न पूछने पर मियाँ नसीरूद्दीन समझ जाते हैं कि वो एक पत्रकार है। फिर भी वे उनके प्रश्नों का उत्तर मसीहाई अंदाज में देते हैं। लेखिका को यह भी बताते हैं कि यह उनका खानदानी पेशा है। बादशाह के दरबार में भी उनके पूर्वजों ने काम किया है। लेखिका के यह पूछने पर कि दिल्ली के किस बादशाह के यहाँ उनके बुजुर्गों ने काम किया था ? मियाँ थोड़े झल्ला उठे। लेखिका उनके बेटे-बेटियों के बारे में भी पूछना चाहती थीं, लेकिन मियाँ के चेहरे के भाव को देखकर उन्होंने इस विषय को छेड़ना उचित नहीं समझा।

बातों-बातों में यह भी पता चला कि मियाँ अपने शागिर्दों को समय पर उचित वेतन भी देते हैं। इस प्रकार मियाँ नसीरूद्दीन की रोटी बनाने की कला तथा उनका पेशे के प्रति समर्पण को देखकर लेखिका बहुत प्रभावित होती हैं।

© JCERT not to be republished

शब्दार्थ:-

नानबाई = तरह-तरह की रोटी बनाने-बेचने का काम करने वाला।

काइयाँ = धूर्त, चालाक।

पेशानी = माथा मस्तक।

अखबारनवीस = पत्रकार।

खुराफ़ात = शरारत।

इल्म = जानकारी, ज्ञान विद्या।

नगीनासाज़ = नगीना जड़ने वाला।

मीनासाज़ = मीनाकारी करने वाला।

रँगरेज = कपड़ा रँगने वाला।

वालिद = पिता।

अख्तियार करना = अपनाना।

मरहूम = जिसकी मृत्यु हो चुकी हो।

मोहलत = कार्य विशेष के लिए मिलने वाला समय।

लम्हा भर = क्षणभर।

नसीहत = सीख, शिक्षा।

बजा फ़रमाना = ठीक बात कहना।

शागिर्द = शिष्य।

परवान करना = उन्नति की तरफ बढ़ना।

जमात = कक्षा, श्रेणी।

रुखाई = उपेक्षित भाव।

तरेरा = घूरकर देखा।

रुमाली = एक प्रकार की रोटी जो रुमाल की तरह बड़ी और बहुत पतली होती है।

ज़हमत उठाना = तकलीफ़, झंझट, कष्ट।

मज़मून = मामला, विषय।

© JCERT not to be republished

प्रश्न उत्तर

1. मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा क्यों कहा गया है ?

उत्तर– मियाँ नसीरुद्दीन 56 तरह की रोटियाँ बनाने के लिए प्रसिद्ध है। वह एक खानदानी नानबाई है। वे रोटी बनाने को कला मानते हैं तथा स्वयं को उस्ताद कहते हैं। वे मसीहाई अंदाज में रोटी पकाने की कला का बखान करते हैं। उनका बातचीत करने का तरीका बड़े कलाकारों जैसा है। इसलिए मियाँ नसीरुद्दीन को नानबाइयों का मसीहा कहा गया है।

2. लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन के पास क्यों गई थी ?

उत्तर– लेखिका जब जामा मस्जिद के आगे पड़े मटियामहल के गढ़ैया मुहल्ले की ओर निकल रही थीं तो एक मामूली अंधेरी से दुकान पर फटाफट आटे का ढेर सनते देख रुक जाती है। उन्हें लगा कि शायद सेवइयाँ बनाने की तैयारी चल रही है। अंदर जा कर देखती हैं तो मालूम हुआ कि खानदानी नानी बाई मियाँ नसीरुद्दीन का दुकान है। मियाँ नसीरुद्दीन 56 किस्म की रोटियाँ बनाने के लिए मशहूर है।

लेखिका रोटी बनाने की कारीगरी के बारे में जानकारी हासिल करना चाहती थी। वह उनकी इस कारीगरी का रहस्य जानने के लिए मियाँ नसीरुद्दीन के पास गई थी।

3. बादशाह के नाम का प्रसंग आते ही लेखिका की बातों में मियाँ नसीरुद्दीन की दिलचस्पी क्यों खत्म होने लगी ?

उत्तर– लेखिका जब मियाँ नसरुद्दीन से अपने खानदानी नानीबाई होने का रहस्य पूछने

लगी तो उन्होंने बताया कि उनके पूर्वज एक बादशाह के लिए रोटियाँ बनाते थे। जब लेखिका उससे बादशाह का नाम पूछती है तो वह बादशाह का नाम नहीं बताता है। सच्चाई तो यह है कि वह किसी बादशाह का नाम नहीं जानता था और न ही उसके पूर्वज किसी बादशाह के यहाँ काम करते थे। इसीलिए बादशाह का प्रसंग आते ही लेखिका की बातों में मियाँ नसीरुद्दीन की दिलचस्पी खत्म होने लगी।

4. मियाँ नसीरुद्दीन के चेहरे पर किसी दबे हुए अंधड़ के आसार देख यह मज़मून न छेड़ने का फ़ैसला किया - इस कथन के पहले और बाद के प्रसंग का उल्लेख करते हुए स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- इस कथन से पूर्व लेखिका ने मियाँ नसीरुद्दीन से पूछा था कि आपके पूर्वज किस बादशाह के यहाँ बावर्ची का काम करते थे। मियाँ नसीरुद्दीन इस बात का उत्तर में झल्लाते हुए पूछता है - क्या उसके पास कोई चिट्ठी भेजनी है ? जो नाम पूछ रही हो ? इस बात के बाद उनकी दिलचस्पी खत्म हो गई। अब उनके चेहरे पर ऐसा भाव उभर आया, मानो वह किसी तूफान को दबाए हुए बैठा है। उसके बाद लेखिका के मन में आया, पूछ लें कि आप के कितने बेटे- बेटियाँ हैं किंतु लेखिका ने उनकी दशा देख यह प्रश्न नहीं किया। फिर लेखिका ने उनसे जानना चाहा कि कारीगर लोग आपकी शागिर्दी करते हैं ? तो मियाँ ने गुस्से में उत्तर दिया कि खाली शागिर्दी ही नहीं दो रुपए मन आटा और चार रुपए मन मैदा के हिसाब से इन्हें मजूरी भी देता हूँ। इस प्रकार मियाँ नसीरुद्दीन के गुस्से के कारण लेखिका उनसे व्यक्तिगत प्रश्न नहीं कर सकी।

5. पाठ में मियाँ नसीरुद्दीन का शब्द- चित्र लेखिका ने कैसे खींचा ?

उत्तर- इस पाठ में लेखिका ने मियाँ नसीरुद्दीन का शब्द- चित्र इस प्रकार से खींचा -

मियाँ चारपाई पर बैठे बीड़ी का मज़ा ले रहे हैं, मौसम की मार से पक्का चेहरा, आँखों में काइयाँ भोलापन और पेशानी पर मँजे हुए कारीगर के तेवर थे।

पाठ के आस-पास

1. मियाँ नसीरुद्दीन की कौन-सी बातें आपको अच्छी लगीं ?

उत्तर- मियाँ नसीरुद्दीन की निम्नलिखित बातें हमें अच्छी लगीं -

(क) मियाँ नसीरुद्दीन ने अपने नानबाई पेशे को कला का दर्जा दिया और उसे करके सीखना अपना असली हुनर समझा।

(ख) अपने पूर्वजों से सीखे खानदानी पेशे को करने के साथ-साथ उसकी कद्र करना।

(ग) मियाँ नसीरुद्दीन के व्यक्तित्व में

रुचि, स्वभाव और स्पष्टता के गुण निहित होना।

(घ) उनके द्वारा निडरतापूर्वक लेखिका के सभी सवालों का उत्तर देना।

(ङ) अपने कारीगरों को काम करने के बदले में उचित मजदूरी देना।

2. तालीम की तालीम ही बड़ी चीज़ होती है - यहाँ लेखक ने तालीम शब्द का दो बार प्रयोग क्यों किया है? क्या आप दूसरी बार आए 'तालीम' शब्द की जगह कोई अन्य शब्द रख सकते हैं? लिखिए।

उत्तर- तालीम की तालीम ही बडी चीज़ होती है - यहाँ पर लेखिका द्वारा प्रयुक्त दूसरी बार आए 'तालीम' शब्द की जगह अन्य शब्द 'कद्र' रख सकते हैं। इस शब्द के प्रयोग से यह वाक्य इस प्रकार होगा -

तालीम की कद्र ही बड़ी चीज़ होती है।

3. मियाँ नसीरुद्दीन तीसरी पीढ़ी के हैं जिसने अपने खानदानी व्यवसाय को अपनाया। वर्तमान समय में प्रायः लोग अपने पारंपरिक व्यवसाय को नहीं अपना रहे हैं। ऐसा क्यों?

उत्तर- वर्तमान समय में लोग मियाँ नसीरुद्दीन की तरह अपने खानदानी व्यवसाय को नहीं अपना रहें क्योंकि वे अपने खानदानी व्यवसाय की कद्र नहीं करते। नये-नये उद्योगों के विकास के कारण खानदानी पेशे समाप्त होते जा रहे हैं। आजकल अधिकतर लोग व्यवसाय करने की बजाय नौकरी करना अधिक पसंद करते हैं, क्योंकि लोगों में आलस, कामचोरी जैसी प्रवृत्तियाँ बढ़ती जा रही हैं।

4. मियाँ कहीं अखबारनवीस तो नहीं हो ? यह तो खोजियों की खुराफ़ात है - अखबार की भूमिका को देखते हुए इस पर टिप्पणी करें।

उत्तर- कोई भी पत्रकार किसी भी घटना की तह तक पहुँचने के लिए प्रश्न पर प्रश्न करना शुरू कर देते हैं। ऐसे ही लेखिका भी मियाँ नसीरुद्दीन के स्वभाव, व्यक्तित्व और रुचियों से परिचित होना चाहती थी। लेखिका ने पत्रकारों की तरह ही मियाँ नसीरुद्दीन से प्रश्न पूछे। लेखिका की जिज्ञासा को देखकर मियाँ नसीरुद्दीन को लगा कि जैसे लेखिका के प्रश्नों मे पत्रकारों की तरह ही खोजियों की खुराफात है।

पकवानों को जाने:-

पाठ में आए रोटियों के अलग-अलग नामों की सूची बनाएँ और इनके बारे में जानकारी प्राप्त करें।

उत्तर- अध्यापक की मदद से पाठ में आई रोटियों की अलग-अलग सूची बनाकर इनकी जानकारी प्राप्त करें।

© JCERT not to be republished

भाषा की बात

1. तीन चार वाक्यों में अनुकूल प्रसंग तैयार कर नीचे दिए गए वाक्यों का इस्तेमाल करें।

(क) पंचहज़ारी अंदाज़ से सिर हिलाया।

उत्तर– लेखिका जब मियाँ नसीरुद्दीन के दुकान पर पहुँची तब झिझकते हुए उनसे कहती हैं कि आपसे कुछ सवाल पूछने थे, यदि आपके पास थोड़ा वक्त हो तो ? इस पर मियाँ नसीरुद्दीन अपने पंचहजारी अंदाज से सिर हिलाते हुए कहा – निकाल लेंगे थोड़ा वक्त, पर यह तो कहिए आपको पूछना क्या है ?

(ख) आँखों के कंचे हम पर फेर दिए।

उत्तर– लेखिका मियाँ नसीरुद्दीन से जब पूछती है कि किस्म-किस्म की रोटी पकाने का इल्म आपने कहाँ से हासिल किया ? इस पर मियाँ नसीरुद्दीन ने आँखों के कंचे लेखिका पर फेर दिए। फिर तरेरकर बोले – क्या मतलब ? क्या नानबाई इल्म लेने कहीं और जाएगा ? क्या नगीनासाज़ के पास ? क्या आईनासाज़ के पास ? क्या मीनासाज़ के पास ? या रफ़ूगर, रँगरेज या तेली-तंबोली से सीखने जाएगा ? यह तो हमारा खानदानी पेशा ठहरा। हाँ इल्म की बात पूछी है तो जो कुछ भी सीखा अपने वालिद उस्ताद से ही।

(ग) आ बैठे उन्हीं के ठीये पर

उत्तर– मियाँ नसीरुद्दीन ने बताया कि वे अपने परदादा के गुजर जाने के बाद उन्हीं के ठीये पर आ बैठे। इस कारीगरी को उन्होंने और आगे बढ़ाने का निश्चय किया ताकि पूर्वजों का यह पेशा हमेशा बना रहे।

2. 'बिटर-बिटर देखना' — यहाँ देखने के एक खास तरीके को प्रकट किया गया है। देखने संबंधी इस प्रकार के चार क्रिया-विशेषणों का प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

उत्तर– (क) 'ललचाई नज़र से देखना' – मिठाई वाले के आने पर बच्चा उसे ललचाई नज़र से देखने लगा।

(ख) 'घूर घूर कर देखना' – बच्चे पागल व्यक्ति को घूर घूर कर देखने लगे।

(ग) 'एकटक देखना' – अध्यापक ने विद्यार्थी की शरारतों को एकटक देखकर सज़ा दी।

(घ) 'शंकित दृष्टि से देखना' – एक बार नकल मिलने पर अध्यापक मोहन को पूरी परीक्षा के दौरान शंकित दृष्टि से देखा।

प्रश्न 3. नीचे दिए वाक्यों में अर्थ पर बल देने के लिए शब्द-क्रम परिवर्तित किया गया है। सामान्यतः इन वाक्यों को किस क्रम में लिखा जाता है ? लिखें।

(क) मियाँ मशहूर हैं छप्पन किस्म की रोटियाँ बनाने के लिए।

उत्तर– (क) मियाँ छप्पन किस्म की रोटियाँ बनाने के लिए मशहूर हैं।

(ख) निकाल लेंगे वक्त थोड़ा।

उत्तर– थोड़ा वक्त निकाल लेंगे।

(ग) दिमाग में चक्कर काट गई है बात।

उत्तर– बात दिमाग में चक्कर काट गई है।

(घ) रोटी जनाब पकती है आँच से।

उत्तर– आँच से रोटी पकती है जनाब।

©JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्न-उत्तर

1. मियाँ नसीरुद्दीन किस कला में निपुण हैं ?

(क) निवार बुनने

(ख) रोटी पकाने

(ग) चित्रकारी

(घ) कहानी लेखन।

उत्तर- (ख) रोटी पकाने।

2. मियाँ नसीरुद्दीन किन के मसीहा थे?

(क) नानबाइयों के

(ख) नानाबाइयों के

(ग) नवाबों के

(घ) नवाबाइयों के।

उत्तर- (क) नानबाइयों का

3.लेखिका किस महल की तरफ से गुजरी थी?

(क) मटियार

(ख) मुटियार

(ग) मटिया

(घ) भटिया।

उत्तर- (ग) मटिया।

4. मियाँ नसीरुद्दीन की दुकान किस मुहल्ले में थी?

(क) पटैया

(ख) गढ़ैया

(ग) पया

(घ) मढैया।

उत्तर- (ख) गढ़ैया।

5. मियाँ नसीरुद्दीन किस पर बैठे हुए थे?

(क) चारपाई

(ख) पटड़े

(ग) स्टूल

(घ) कुर्सी।

उत्तर- (क) चारपाई

6. मियाँ नसीरुद्दीन ने किस हजारी के अंदाज से सिर हिलाया?

(क) पंच

(ख) छह

(ग) आठ

(घ) दस।

उत्तर- (क) पंच।

7. मियाँ नसीरुद्दीन के पिता का क्या नाम था ?

(क) मियाँ शौकत

(ख) मियाँ रहमत

© JCERT not to be republished

(ग) मियाँ बरकत

(घ) मियाँ शराफत ।

उत्तर– (ग) मियाँ बरकत।

8. 'मियाँ नसीरुद्दीन' पाठ की लेखिका है–

(क) महादेवी वर्मा

(ख) कृष्णा सोबती

(ग) मन्नू भंडारी

(घ) निर्मला पुतुल।

उत्तर– (ख) कृष्णा सोबती।

9. अखबार बनाने वाले और पढ़ने वाले को मियाँ नसीरुद्दीन क्या समझते हैं ?

(क) निठल्ला

(ख) बेकार

(ग) अवारा

(घ) निखट्टू।

उत्तर–(क) निठल्ला।

10. मियाँ नसीरुद्दीन के दादा का नाम था–

(क) लल्लन

(ख) कल्लन

(ग) दल्लन

(घ) सल्लन।

उत्तर– (ख) कल्लन।

11. मियाँ नसीरुद्दीन ने खोजियों की खुराफ़ात किसे कहा है ?

(क) मीनासाज़ को

(ख) आईनासाज़ को

(ग) अखबारनवीस को

(घ) नगीनासाज़ को।

उत्तर– (ग) अखबारनवीस को।

12. मियाँ नसीरुद्दीन के अनुसार 'रोटी जनाब पकती है–

(क) साँच से

(ख) काँच से

(ग) ऑच से

(घ) माँच से।

उत्तर– (ग) ऑच से

13. मियाँ नसीरुद्दीन कितने वर्षों के हो चुके हैं ?

(क) अस्सी

(ख) सत्तर

(ग) साठ

(घ) पैंसठ।

उत्तर–(ख) सत्तर।

14. मियाँ नसीरुद्दीन के पिता की मृत्यु किस उम्र में हुई थी ?

(क) साठ

© JCERT not to be republished

(ख) सतर

(ग) अस्सी

(घ) नबे।

उत्तर–(ग) अस्सी।

15. मियाँ नसीरुद्दीन ने भट्ठी सुलगाने के लिए किसे कहा?

(क) गब्बन को

(ख) बब्बन को

(ग) झम्मन को

(घ) संग्गन को।

उत्तर– (ख) बब्बन को

16. मियाँ नसीरुद्दीन कारीगरों को आटे की प्रति मन कितने रुपए मज़दूरी देते हैं?

(क) दो

(ख) तीन

(ग) चार

(घ) पाँच।

उत्तर– (क) दो।

17. मियाँ नसीरुद्दीन कारीगरों को मैदे की प्रति मन कितने रुपए मज़दूरी देते है?

(क) दो

(ख) तीन

(ग) चार

(घ) पाँच।

उत्तर– (ग) चार।

18. मियाँ ने रूखाई से जैसे क्या काट दी हो?

(क) आँत

(ख) फाँक

(ग) साँक

(घ) ताँत।

उत्तर– (ख) फाँक

19. 'तुनकी' रोटी किस से भी ज्यादा महीन होती है?

(क) मलमल

(ख) रेशम

(ग) पापड़

(घ) नायलॉन।

उत्तर–(ग) पापड़

20. निकाली कहाँ से और निगली तथा हज़म?

(क) तंदूर से

(ख) चूल्हे से भट्ठी से।

(ग) गैस से

(घ) भट्टी से।

उत्तर– (क) तंदूर से।

© JCERT not to be republished

21. मियाँ नसीरुद्दीन कितनी प्रकार की रोटियाँ बनाने में मशहूर है?

(क) पचास

(ख) छप्पन

(ग) साठ

(घ) पैंसठ।

उत्तर– (ख) छप्पन।

22. मियाँ नसीरुद्दीन का चेहरा किस की मार से पका था?

(क) मौसम

(ख) तंदूर

(ग) सर्दी

(घ) गर्मी।

उत्तर– (क) मौसम।

23. "रँगरेज" क्या होता है?

(क) कपड़ा सीने वाला

(ख) कपड़ा रंगने वाला

(ग) कपड़ा धोने वाला

(घ) कपड़ा बनाने वाला।

उत्तर– (ख) कपड़ा रंगने वाला।

24. 'शीरमाल' क्या है?

(क) रोटी

(ख) शर्बत

(ग) सब्ज़ी

(घ) फल।

उत्तर– (क) रोटी

© JCERT not to be republished